

कमांक: सी.डी/ 2010/409

दिनांक: 24.05.2010

समस्त संयुक्त निदेशक,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जोन--राजस्थान
समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
समस्त प्रमुख चिकित्सा अधिकारी,
समस्त खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
राजस्थान

विषय:- चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ को मुख्यालय पर रहने हेतु।

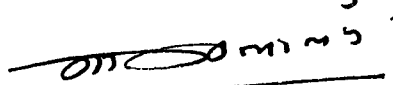
राज्य सरकार एवं निदेशालय स्तर से समय समय पर दिये गये पूर्व निर्देशों के बावजूद सामान्यतः देखा गया है कि राज्य के चिकित्सा संस्थानों, अधिकांशतः सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/उप केन्द्रों आदि पर चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं, यहाँ तक कि उच्चाधिकारियों के भ्रमण के दौरान अस्पतालों में कुछ चिकित्सक/स्टाफ अस्पताल समय में भी ड्यूटी से अनुपस्थित पाये जाते हैं। इस स्थिति के कारण वर्तमान में गर्मी के मौसम के कारण मौसमी/जलजनित बिमारियों, मलेरिया डेंगू आदि की रोकथाम, नियंत्रण, बचाव एवं उपचार की सुविधाये आमजन को समय पर उपलब्ध नहीं होती है। इसके साथ ही राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लक्ष्यों की उपलब्धियां अर्जित करने पर भी विपरित असर पड़ता है।

चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ का मुख्यालय पर नहीं रहना या अस्पताल समय में अनुपस्थित पाये जाने की स्थिति को प्रमुख स्वास्थ्य सचिव महोदय द्वारा अत्यन्त गम्भीरता से लिया गया है। अतः राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये निम्नांकित निर्देश प्रदान किये जाते हैं :-

- सभी चिकित्सा संस्थान जहाँ पर राजकीय आवास निर्मित है, उनका आवंटन सम्बन्धित स्टाफ को तुरन्त किया जावें।
- ऐसे चिकित्सक/स्टाफ जिन्हे राजकीय आवास आवंटित है, उनको मकान किराया भत्ता नहीं दिया जाकर, उन्हें पाबन्द किया जावें कि वे आवंटित आवास में आवश्यक रूप से निवास करें।
- सम्भाग/जिला/खण्ड स्तरीय अधिकारी भ्रमण के समय यह सुनिश्चित करें कि जिन कार्मिकों को आवास आवंटित है, वे उनमें स्थाई रूप से रह रहें है अथवा नहीं तथा इसका पूर्ण विवरण अपनी भ्रमण टिप्पणी में आवश्यक रूप से दें। जो अधिकारी/कर्मचारी आवंटित आवास में रहते हुये नहीं पाये जावें उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावें।

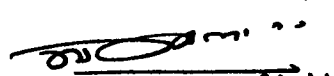
6

- किसी भी चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ को आसपास के शहरों से अप-डाउन करने की लिखित या मौखिक अनुमति नहीं दी जावे।
- खण्ड स्तर तक के चिकित्सा संस्थानों (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ एड-पोस्ट/उपकेन्द्र पर यदि कोई चिकित्सक या स्टाफ उच्चाधिकारियों के भ्रमण के दौरान अनुपस्थित अथवा मुख्यालय पर रहना नहीं पाया जाता है तो इसके लिये सम्बन्धित खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिम्मेदार होंगे।
- जिला मुख्यालय स्तर के अस्पतालों/डिस्पेंसरी में अनुपस्थित पाये जाने वाले चिकित्सकों/कर्मचारियों के लिये सम्बन्धित प्रमुख चिकित्सा अधिकारी जिम्मेदार होंगे।
- सभी सयुक्त निदेशक जोन/मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी/खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने अपने क्षेत्र की चिकित्सा संस्थानों की आकस्मिक जाँच कर चिकित्सकों/कर्मचारियों का मुख्यालय पर ठहराव सुनिश्चित किया जावे।
- सभी चिकित्सा संस्थानों में निर्मित आवास ग्रहों में आवश्यक आधारभूत सुविधायें जैसे बिजली पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे ताकि कर्मचारियों में राजकीय आवास में रहने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सके।


 निदेशक (जन स्वास्थ्य) 24/5/10
 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
 राजस्थान, जयपुर।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान।
2. परियोजना निदेशक, आरएचएसडीपी/मिशन निदेशक, एनआरएचएम, मुख्यालय।
3. निदेशक (आरसीएच/एड्स/आईईसी), मुख्यालय।
4. समस्त जिला राज्य स्तरीय, जिला प्रभारी अधिकारियों को भेज कर निर्देश प्रदान किये जाते हैं कि वे जिलों में भ्रमण के समय उक्त निर्देशों की पालना कड़ाई से सुनिश्चित करावे।
5. प्रभारी सर्वर रूम, निदेशालय को भेज कर लेख है कि उक्त निर्देशों को विभागीय वेबसाइट पर उप-लोड करावे।


 निदेशक (जन स्वास्थ्य) 24/5/10
 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
 राजस्थान, जयपुर।